## REGARDING POINT OF ORDER UNDER VARIOUS RULES

MR. CHAIRMAN: Shri P. Wilson. *...(Interruptions)...*

**श्री जयराम रमेश** (कर्नाटक) : सर, जेपीसी का क्या हुआ? ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Dr. Sikander Kumar. *...(Interruptions)...*

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, you were reading out the names of some Members. *...(Interruptions)...*

**डा. सिकंदर कुमार**(हिमाचल प्रदेश) : माननीय सभापति जी ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: One second. *...(Interruptions)...* One second, hon. Member. *...(Interruptions)...*

**डा. सिकंदर कुमारः** माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा के पांगी घाटी में...(**व्यवधान**)... विद्युत आपूर्ति की कमी की ओर दिलाना चाहता हूं। ...(**व्यवधान**)...

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the submission made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Hon. Member, I sit in this Chair*...(Interruptions)...* I sit in this Chair to be extremely persuasive. I sit in this Chair with high expectation. If you were saying, 'I was naming', I have to hold back certain situations. All of us must reflect what is expected of us. Things can be done in one second. You know it. I do not want to do it. If I took a step yesterday, it was with a heavy heart and, trust me, when I really look within, I have never come across in my forty years, more talented people, more knowledgeable people, people with high credentials, people of greater achievements in society. And what really perplexes me is, how these people in togetherness can go that way! I again call upon all of you to permit me to carry out the Listed Business because that is mandate of the rule, Constitution, the expectation of the people. माननीय सदस्य अगर इस बात के ऊपर चिंतन नहीं करेंगे, चिंता नहीं करेंगे, तो कहां होगी?...(**व्यवधान**)...

SHRI PRAMOD TIWARI (Rajasthan): Sir, point of order. *...(Interruptions)...*

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, please.....*(Interruptions)*...

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: One second. ...*(Interruptions)*... Digvijaya Singh*ji*. ...*(Interruptions)*... One second. ...*(Interruptions)*... I have given floor to Shri Digvijaya Singh. Please listen to him. ...*(Interruptions)*...

**श्री दिग्विजय सिंह :** माननीय सभापति महोदय, आपने सही फरमाया कि संविधान के अंतर्गत जो नियम और कानून है, उसी के अंतर्गत हमें काम करना चाहिए। आज पूरे विश्व में एक ऐसा विषय जो सबको चिंतित कर रहा है, जिस पर अनेक लेख लिखे जा रहे हैं, लेकिन हमारे देश में उसकी कोई चर्चा नहीं हो रही है। हमने अगर जेपीसी में चर्चा करने मांग की है...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति :** माननीय सदस्य ...(**व्यवधान**)...

**श्री दिग्विजय सिंह :** तो आप अलाउ क्यों नहीं करते हैं?

**श्री सभापति :** माननीय सदस्य, घूम-फिरकर वही बात आएगी, it is not appropriate. ...*(Interruptions)*...

**श्री दिग्विजय सिंह :** सर, मेरी आपसे प्रार्थना है ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please, please. ...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Please take your seat. ...*(Interruptions)*... माननीय सदस्यगण, जिस विषय के ऊपर चेयर से निर्णय हो चुका है, जिस विषय के ऊपर चेयर से बार-बार निर्णय हो चुका है। ...(**व्यवधान**)...

**श्री सैयद नासिर हुसैन** (कर्नाटक): सर, पुनर्विचार ...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति :** माननीय सदस्यगण, मैं आप लोगों से आग्रह करता हूं, विनती करता हूं, पुनर्विचार कर मुझे सदन चलाने दें। ...(**व्यवधान**)... यह हमारा परम कर्तव्य है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI TIRUCHI SIVA: Mr. Chairman, Sir,.....*(Interruptions)*...

**श्री शक्तिसिंह गोहिल** (गुजरात) **:** सर, आप बड़प्पन दिखाइये। ...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति :** आप बैठ जाइए। Mr. Sanjay Singh. ...*(Interruptions)*... आप बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए। आपका क्या है? ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, I have a point of order.

MR. CHAIRMAN: Okay. Mr. Pramod Tiwari is raising a point of order. ...*(Interruptions)*... One second. Let me take the book. What is the rule no.?

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, that is regarding the suspension.... ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: What is the rule?

SHRI PRAMOD TIWARI: Sir, Rules 253, 254 & 255 है।

MR. CHAIRMAN: What is the rule?

**श्री प्रमोद तिवारी** : सर, आप रूल 255 ले लें। ...(**व्यवधान**)...

**श्री सभापति :** आप एक बार रूल 255 को पढ़िये। ...(**व्यवधान**)... आप रूल को पढ़िये।

**श्री प्रमोद तिवारी :** हां, सर।

**श्री सभापति :** आप रूल को पढ़िये।

**श्री प्रमोद तिवारी :** सर, मैं बहुत विनम्रता से अनुरोध करता हूं कि सदन की यह परम्परा रही है कि अगर किसी ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Read the rule. ...*(Interruptions)*... Then, Pramod*ji*... ...*(Interruptions)*...

**श्री प्रमोद तिवारी** : *'सभापति किसी सदस्य को जिसका व्यवहार, उसकी राय में घोर अव्यवस्थापूर्ण हो, तत्काल राज्य सभा से चले जाने का निदेश दे सकेगा।'* सर, यह वाला रूल है। सर, अब मैं रूल बुक को इधर रख लूं। सर, मेरा बहुत ही विनम्रतापूर्वक आपसे आग्रह है कि सदन में परम्परा रही है कि अगर चेयर को लगता है, प्रस्ताव होता है और उस पर किसी सदस्य का निलम्बन हो जाता है। आज सत्र के पहले चरण का अंतिम दिन है। सर, हमारे पास दो विकल्प हैं, या तो हम सब इस तरह जायें, जिसमें ऐसा लगा कि वातावरण बड़ा तनावपूर्ण था। आप कई बार कह चुके हैं कि मैं तो सदन को कायदे से चलाना चाहता हूं। ...(**व्यवधान**)...

**एक माननीय सदस्य** : आप चुप रहिए। ...(**व्यवधान**)...

**श्री प्रमोद तिवारी** : मैं आपसे विनम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं, इसीलिए मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है कि आज जब सदन स्थगित हो, तो थोड़े अच्छे वातावरण में हो जाए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: What is the point of order?

**श्री प्रमोद तिवारी** : सर, मेरा एक विनम्रतापूर्वक आग्रह है कि महिला सदस्य, भद्र महिला, वे बहुत अच्छी महिला हैं, उनका निलम्बन हो गया, तो उस पर पुनर्विचार का अधिकार आपको है। ...(**व्यवधान**)... और सुनिए, आपको तो अधिकार है कि आप नेता सदन को बाहर निकाल सकते हैं। सर, इसमें कोई दो राय नही है। आपका असीमित अधिकार है। ...(**व्यवधान**)... आप इस पर विनम्रतापूर्वक विचार कर लें।

**श्री सभापति :** ठीक है।

**श्री प्रमोद तिवारी :** सर, दूसरा, देश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह चौपट होने से आप ही बचा सकते हैं, कोई दूसरा नहीं बचा सकता है। आप में ही बचाने की ताकत है। आप एक बार जेपीसी बना दीजिए, दिमाग ठिकाने आ जायेगा।

MR. CHAIRMAN: Now, Leader of the House.

**सभा के नेता** (**श्री पीयूष गोयल**) **:** चेयरमैन सर, इसी रूल के नीचे 256 (2) में यह भी लिखा हुआ है कि सिर्फ काउंसिल, पूरी काउंसिल ही अगर चाहे, 'Only the Council, on a motion being made, can resolve that such suspension be terminated.' तो मुझे लगता है कि चेयर के ऊपर किसी प्रकार से भी, यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि सिर्फ आप ही बचा सकते हैं। मेरे ख्याल से आप भी बचा सकते हैं। आप माफी मांगिए, जो आपका अभद्र व्यवहार रहा है, जिस प्रकार से पूरे विपक्ष ने माननीय प्रधान मंत्री जी के भाषण को होने नहीं दिया। ...(**व्यवधान**)... जो आप सबका व्यवहार है, उसे टेलीविजन पर पूरे देश ने देखा, दुनिया ने देखा कि विश्व का सबसे लोकप्रिय नेता ...(**व्यवधान**)... जिनके ऊपर पूरे विश्व की आशाएं, अपेक्षाएं टिकी हुई हैं, जिनको पूरा विश्व आज मानता है कि सबसे लोकप्रिय नेता 8 वर्ष तक लगातार ...(**व्यवधान**)... अगर पूरे विश्व में कोई रहा है, तो माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी रहे हैं और जिस प्रकार से आपने अभद्र व्यवहार किया, जिस प्रकार से उनको तकलीफ दी, लगभग सवा घंटे तक यहां वैल में रहकर जो आपका व्यवहार रहा है। ...(**व्यवधान**)... आप उसके लिए माफी मांगिए, उसके लिए आप पश्चाताप करिए, उस पश्चाताप के बाद फिर आप मोशन लेकर आइए।

**श्री प्रमोद तिवारी :** सर, सरकार की मंशा साफ हो गई, जो अंदर था, वह बाहर आ गया। *

**श्री सभापति** : माननीय सदस्यगण, एक बार बैठिए। ..(**व्यवधान**)..

**श्री राघव चड्ढा** : सर, मैं कितनी देर से प्वाइंट ऑफ ऑर्डर की बात कह रहा हूं।..(**व्यवधान**)..

**सभा के नेता (श्री पीयूष गोयल) :** ये चेयर का अपमान करते हैं।..(**व्यवधान**)..चेयर को खड़े होकर ..(**व्यवधान**)..बैठना पड़ता है। ..(**व्यवधान**)..यह चेयर का अपमान है। ..(**व्यवधान**)..

**श्री सभापति** : बैठिए। ..(**व्यवधान**).. Hon. Member must know,*...(Interruptions)...*I have already indicated and you should know it. Your memory is sharp, you are a young man; those whom I love, suffer the most. Take your seat. *...(Interruptions)...* Hon. Members, if there will be few things left as to what happened in Rajya Sabha during a part of this Session, then, I can tell you because I get input, and I have sleepless nights also because of that. One; there was boycott by some parties of the joint President's Address; two parties*...(Interruptions)...*

**श्री जयराम रमेश** : सर, 2004 में क्या हुआ? ..(**व्यवधान**)..

**श्री प्रमोद तिवारी** : सर, यह क्या बात है? ..(**व्यवधान**)..

MR. CHAIRMAN: Second. *...(Interruptions)...* Two parties. *...(Interruptions)...* One second. *...(Interruptions)...* Second is, the kind of conduct which... माननीय सदस्यगण, पूरी दुनिया देख रही है। ..(**व्यवधान**)..

**एक माननीय सदस्य** : अडाणी के घोटाले..(**व्यवधान**)..

12.00 **Noon**

**श्री सभापति** : हमारा आचरण अपेक्षा के ठीक विपरीत है।..(**व्यवधान**)..संविधान की मूल भावना पर कुठाराघात है। ..(**व्यवधान**)..मेरी समझ से परे है कि विद्वान सदस्यगण, माननीय सदस्यगण किस प्रकार ऐसा आचरण कर सकते हैं? ..(**व्यवधान**)..आप सोचिए कि क्या जनता हमसे यह उम्मीद करती है? उम्मीद करती है? ..(**व्यवधान**)..नहीं करती है। I will take up Question Hour now. *...(Interruptions)...* Question Hour. Dr. Radha Mohan Das Agrawal. *...(Interruptions)...* I am constrained to say; on account of persistent disruption and I

* Expunged as ordered by the Chair

would go to the extent of saying, 'deliberate disruption', in spite of my pleadings, obstruction is being created, and that is not the way to run the House. We have lost precious time already which should have been...*(Interruptions)*...

SHRI RAGHAV CHADHA (Punjab): Sir, you are the guardian of our rights. ...*(Interruptions)*... You are the guardian of our freedom. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: So, insult the guardian day in and day out! Is that your approach? ...*(Interruptions)*... Sorry! Hon. Members, I am pleading with you for the last time. If the House will be subjected to such kinds of disturbance, disruption, violation of rules, I will be constrained to act as per the expectation of the people. They do not want us to be in disorderly situation. They do not want us to continuously...*(Interruptions)*... No. ...*(Interruptions)*... Now, Question No. 106.

---

## ORAL ANSWER TO QUESTION

### Ineligible beneficiaries of PMAY-U

†*106. DR. RADHA MOHAN DAS AGRAWAL: Will the Minister of HOUSING AND URBAN AFFAIRS be pleased to state:

(a) the States from which information has been received about the benefits of Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban (PMAY-U) being extended to ineligible people; and
(b) the action that has been taken by Government against such ineligible beneficiaries, the details thereof, State-wise including the State of West Bengal?

THE MINISTER OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS (SHRI HARDEEP SINGH PURI): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

---

† Original notice of the question was received in Hindi.